प्रिय अंशधारियों,

वर्षों से अपने उत्कृष्ट कार्य निष्पादन द्वारा एच.एस.सी.एल. ने भारत में इस्पात और संरचनात्मक विकास में अपने लिए एक विशिष्ट स्थान बनाया है। अब तक की हमारी यात्रा चुनौतियों से भरी रही जिसपर हमने अपनी विशिष्टता और दृढ़ इच्छा शक्ति द्वारा काबू पा लिया है। आगे हमारे रास्ते में बड़ी से बड़ी चुनौतियां आने वाली हैं जो उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता में हमारी दक्षता की परीक्षा होगी। मुझे यह सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि वर्ष 2009-10 एच.एस.सी.एल. के लिए एक और सफलतापूर्ण वर्ष रहा। कम्पनी ने अपने टर्नओवर में प्रगतिशीलता प्रदर्शित की है। इसने रु. 800.35 करोड़ टर्नओवर की कीर्तिमान दर्ज की है जो 2008-09 की तुलना में 11% या रु. 79.09 करोड़ की वृद्धि है।

वर्ष 2009-10 के दौरान देश का समग्र औद्योगिक परिदृश्य उत्साहवर्द्धक रहा। ग्यारहवीं योजना के अन्तर्गत सरकारी अनुमोदन से 47,000 कि.मी. होने वाले राजपथ निर्माण से संरचनात्मक क्षेत्र में 12% तक की विकास सुनिश्चित है। सरकारी क्षेत्र में इस्पात संयंत्रों के साथ ही साथ विविध संरचनात्मक क्षेत्रों की क्षमता सम्बर्द्धन कार्यक्रम के तहत नई परियोजनाओं से हमारी आय में उल्लेखनीय अनुपात में वृद्धि हुई है। एच.एस.सी.एल. ने इस्पात, ऊर्जा, रेलवे, आपदा प्रबंधन और संरचनात्मक विकास जैसे सभी क्षेत्रों में परियोजनाएं प्रारम्भ की है और इन क्षेत्रों में हाल की रुझान ने अपने देश के लिए नए एवं बेहतर संरचना निर्माण में हमें अपनी सक्षमता को बढ़ाने में मदद की है।

एच.एस.सी.एल. अति उत्साह और दृढ़ता के साथ आगे बढ़ रही है क्योंकि व्यवसायिक सुअवसरों को बढ़ाने के लिए हमने अपने मानवशक्ति का व्यवसाय की मांग के अनुरूप तैयार कर लिया है। कम्पनी आधुनिक तकनीकी और ज्ञान से युक्त और अधिक ऐसे युवा पीढ़ी की तलाश में है

जो रोज की चुनौतियों का सामना करने और संकट की घड़ी में कम्पनी को उबारने में सक्षम हो। कोसी आपदा प्रबंधन परियोजना से संबंधित कुसहा (नेपाल) में बांध का बहाव और दरार को बंद करने का निर्माण कार्य में कम्पनी को "उत्कृष्टता का प्रमाणपत्र" मिला है। यह अपने आप में एक अत्यधिक महत्वपूर्ण परियोजना थी क्योंकि वर्ष 2008 के दौरान कोसी नदी के तट पर स्थित सुपौल, मधेपुरा और सहरसा का विशाल क्षेत्र जलमग्न हो जाने से उस क्षेत्र के 30 लाख स्थानीय निवासी असहाय हो गये थे। भारत की संरचनात्मक निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण योगदान के लिए कम्पनी को इस्सार इस्पात ने ई 18 और सी एन बी सी टी व्ही 18 के साथ संयुक्त रूप से "सम्मान प्रमाणपत्र" प्रदान किया है।

सभी अंशधारियों की उन्नति और समृद्धि को दीर्घावधि आधार पर कायम रखने के लिए कम्पनी सर्वोच्च नैतिक मानकों के साथ व्यवसाय संचालन के लिए प्रतिबद्ध है। संस्थान के सभी स्तरों पर विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन और युक्तिसंगत व्यवसाय निर्णयों द्वारा कम्पनी अपनी सभी लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सच्चे दिल से प्रयास कर रही है।

कम्पनी के बोर्ड में एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में मैं श्री एस.बी. मिश्रा का स्वागत करता हूँ। मुझे विश्वास है वे अधिकारी वर्ग के सर्वोच्च पद पर पिछले लम्बे समय तक रह कर जो विपुल अनुभव और दक्षता अर्जित की है उससे वे वोर्ड को मजबूती प्रदान करेंगे तथा भविष्य में बड़ी से बड़ी उपलब्धियों के लिए कम्पनी को परिचालित करेंगें।

आने वाले दिनों में सरकार और सरकारी संस्थानों सहित इस्पात और संरचनात्मक क्षेत्रों में होने वाले बड़े पैमाने पर निवेशों की मैं उम्मीद करता हूँ। कम्पनी के लिए नए सुअवसर उत्पन्न करने के अलावा ये निवेश कम्पनी को निर्माण उद्योग की पराकाष्ठा पर बने रहने में मदद करेगी।

कम्पनी हमेशा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के क्रिया कलापों में सक्रिय रूप से सहभागिता करती रही है और आगे इसी प्रकार के और अधिक कार्यों द्वारा समाज के आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों को शिक्षा और आधारभूत संरचनात्मक सुविधा प्रदान कर उनके चेहरे पर मुस्कान लाने की योजनाएं बनाई हैं।

निगमित नियमन मार्गदर्शनों का संभावित बेहतरीन तरीके से अनुपालन किया गया है और स्वतंत्र निदेशकों के अधिष्ठापन के साथ कम्पनी इसे समग्र रूप में क्रियान्वित करने की योजना बना रही है।

इस अवधि के दौरान सभी स्तरों पर अपनी महत्व और मान्यता जतलाने के साथ कम्पनी विभिन्न ग्राहकों के पास विशेषकर संरचनात्मक क्षेत्रों में पहुँच चुकी है। अपनी तमाम गौरवपूर्ण अतित का स्मरण दिलाते हुए कम्पनी थोड़े ही समय में एक आकर्षक और जीवंत कम्पनी बन कर उभरी है।

मैं बोर्ड में अपने सदस्य निदेशकों के प्रति उनके अथक और समर्पित सहयोग के लिए आभारी हूँ। मैं एच.एस.सी.एल. के प्रत्येक अंशधारियों को विशेष धन्यवाद ज्ञापन करना चाहुँगा जिनकी आस्था और विश्वास हमें हमारी सभी प्रयासों में प्रेरित करती रहीं हैं। मैं अपने सभी ग्राहकों, व्यवसाय सहयोगियों और कर्मचारियों को उनकी अत्यधिक निष्ठा के लिए धन्यवाद देता हूँ। डा. दलीप सिहं, संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय को उनके उत्साहवर्द्धक सहयोग और समय-समय पर उनके विवेकपूर्ण सलाह के लिए विशेष शब्दों में धन्यवाद ज्ञापन किया जाता है क्योंकि उनकी सलाह और प्रोत्साहन के वगैर हम अपनी लक्ष्य की प्राप्ति में सफल नहीं हो पाते।

सबसे बढ़कर मैं भारत सरकार, विशेषकर इस्पात मंत्रालय को कम्पनी के मार्गदर्शन में प्रशासनिक सहयोग और दूरदर्शिता प्रदान करने के लिए धन्यवाद देता हूँ।

मैं वादा करता हूँ हम अपनी सभी प्रयासों में सम्पूर्णता हासिल करने के लिए कोई भी कसर बाकी नहीं छोड़ेंगें एवं ऐसा प्रयास करेंगे जिससे कि इस्पात और संरचनात्मक क्षेत्रों में कम्पनी का नाम प्रतिष्ठा से ली जाए।

****